Hindi Murli Quiz 07-12-2015

.

Q.1) **Match the following**

	Choice	Match
A	कोई भी देवी आदि जिसको शरीर है	उनको पतित-पावन नहीं कहेंगे।
B	6-8 भुजाओं वाली देवियाँ आदि बनाते हैं,	सब अपनी बुद्धि से।
C	तुम्हारा रूप तो	यह साधारण ही है।
D	यह पतित-पावन बाप की औलाद	मददगार हैं, यह किसको भी पता नहीं है।
E	यह शरीर तो विनाश हो जायेंगे। ऐसे नहीं कि	तुम्हारे चित्र आदि रहेंगे। यह सब खत्म हो जायेंगे।
F	पतित से पावन भी बाप बनाते हैं।	नर से नारायण भी वह बनाते हैं।

Explanation :

Q.2) **Match the following**

	Choice	Match
A	आत्मा के साक्षात्कार की कोशिश नहीं करते	परमात्मा के लिए कोशिश करते हैं
B	जिसके लिए सुना है कि	वह हजार सूर्य से तेजोमय है।
C	किसको साक्षात्कार होता है तो कहते हैं	बहुत तेजोमय था क्योंकि वही सुना हुआ है।
D	जिसकी नौंधा भक्ति करेंगे, देखेंगे भी वही।	नहीं तो विश्वास ही न बैठे।
E	बाप कहते हैं आत्मा को ही नहीं देखा है तो	परमात्मा को कैसे देखेंगे।
F	कोशिश बहुत करते हैं, परन्तु इन आंखों से देख न सकें। आत्मा को ज्ञान की	अव्यक्त आंखें मिलती हैं।

Explanation :

Q.3) **मनुष्य न समझने के कारण कह देते सतयुग-त्रेता में भी आते हैं। बाप कहते हैं मैं युगे-युगे आता नहीं हूँ, मैं आता ही हूँ एक बार, कल्प के संगम पर। तुमको मैं ही ब्राह्मण बनाता हूँ - प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा। मैं तो परमधाम से आता हूँ। अच्छा ब्रह्मा कहाँ से आता है? ब्रह्मा तो 84 जन्म लेते हैं, मैं नहीं लेता हूँ। ब्रह्मा सरस्वती जो ही विष्णु के दो रूप लक्ष्मी-नारायण बनते हैं, वही 83 जन्म लेते हैं फिर उनके बहुत जन्मों के अन्त में प्रवेश कर इनको ब्रह्मा बनाता हूँ। इनका नाम ब्रह्मा मैं रखता हूँ। यह कोई इनका नाम अपना नहीं है। बच्चे का जन्म होता है तो छठी करते हैं, जन्म दिन मनाते हैं, इनकी जन्म पत्री का नाम तो लेखराज था।**

A. ◉ False

B. ○ True

Explanation: ब्रह्मा सरस्वती जो ही विष्णु के दो रूप लक्ष्मी-नारायण बनते हैं, वही 84 जन्म लेते हैं

Q.4) **Match the following**

	Choice	Match
A	अभी तुम जानते हो हम आत्मा	कितनी छोटी हैं।
B	मुझ आत्मा में 84 जन्मों का पार्ट नूंधा हुआ है	जो मुझे रिपीट करना है।
C	बाप की श्रीमत मिलती है श्रेष्ठ बनाने के लिए	तो उस पर चलना चाहिए।
D	ऐसे नमन करना, इनको रिगार्ड कहा जाता है।	ऐसे नहीं दिल में उनको याद करना है।
E	यह ज्ञान मार्ग बिल्कुल अलग चीज है, इसमें सिर्फ	अपने को आत्मा समझना है जो तुम भूल गये हो।
F	भल तुम शरीरधारी बन पार्ट बजाते हो परन्तु	बुद्धि से शिवबाबा को याद करना है।

Explanation :

Q.5) **Match the following**

	Choice	Match
A	संगमयुग सतयुगी स्वर्ग से भी श्रेष्ठ है क्योंकि	अभी का गायन है अप्राप्त नहीं कोई वस्तु ब्राह्मणों के संसार में।
B	एक बाप मिला तो	सब कुछ मिला।
C	अभी आप बच्चे कभी अतीन्द्रिय सुख के झूले में झूलते हो,	कभी खुशी, कभी शान्ति, कभी ज्ञान, कभी आनंद और कभी परमात्म गोदी के

		झूले में झूलते।
D	परमात्म गोदी है-	याद की लवलीन अवस्था।
E	यह गोद सेकेण्ड में	अनेक जन्मों के दुख-दर्द भुला देती है।
F	तो इस श्रेष्ठ संस्कार को सदा स्मृति में रख	भाग्यवान आत्मा बनो।

Explanation :

Q.6) **इनमें से सही वाक्यों का चयन करें-**

A. ☑ सतयुग में कोई को भी याद नहीं करते।
B. ☐ जब पूरा कल्प भक्ति होती है तब बाप आते हैं।
C. ☐ सतयुग-त्रेता में शरीरधारी कोई अपने नाम से पार्ट नहीं बजाते हैं।
D. ☑ आत्मा सूक्ष्म बिन्दी है, उनको देखने के लिए दिव्य दृष्टि चाहिए। आत्मा का ध्यान कर नहीं सकेंगे।
E. ☐ मनुष्य गुरूओं आदि को माथा टेकते हैं क्योंकि घरबार छोड़ पवित्र बनते हैं, बाकी उनको सिर्फ पूज्य कहेंगे।

Explanation: पूज्य वह जो किसको भी याद न करे। सतयुग-त्रेता में भी शरीरधारी अपने नाम से पार्ट बजाते हैं। जब आधाकल्प भक्ति पूरी होती है तब बाप आते हैं।

Q.7) **यह बेहद का बाप भी रोज बच्चों को पढ़ाते हैं। फिर भी कोई को धारणा होती है, कोई भूल जाते हैं। मुख्य बात तो यही समझाई जाती है कि अपने को आत्मा समझो और बाप को याद करो। बाप ही कहते हैं मामेकम् याद करो, और कोई मनुष्य मात्र कभी कह नहीं सकेंगे। बाप कहते हैं मैं एक ही बार आता हूँ। कल्प के बाद फिर संगम पर एक ही बार तुम बच्चों को ही समझाता हूँ। तुम ही यह ज्ञान प्राप्त करते हो। दूसरा कोई लेते ही नहीं। प्रजापिता ब्रहमा के तुम मुख वंशावली ब्राहमण इस ज्ञान को समझते हो। जानते हो कल्प पहले भी बाप ने इस संगम पर यह ज्ञान सुनाया था। तुम ब्राहमणों का ही पार्ट है, इन वर्णों में भी फिरना तो जरूर है। और धर्म वाले इन वर्णों में आते ही नहीं, भारतवासी ही इन वर्णों में आते हैं।**

A. ◉ True
B. ○ False

Explanation:

Q.8) **ऐसा ___ बनो जो बाबा आपके गीत गाये और आप बाबा के गीत गाओ।**

A. ○ सेवाधारी
B. ○ योगी
C. ○ मास्टर सर्वशक्तिवन
D. ◉ सपूत

Explanation: